NATIONAL SENIOR CERTIFICATE EXAMINATION
NOVEMBER 2014

HINDI SECOND ADDITIONAL LANGUAGE: PAPER I

MARKING GUIDELINES

Time: 2 hours | 100 marks

These marking guidelines are prepared for use by examiners and sub-examiners, all of whom are required to attend a standardisation meeting to ensure that the guidelines are consistently interpreted and applied in the marking of candidates' scripts.

The IEB will not enter into any discussions or correspondence about any marking guidelines. It is acknowledged that there may be different views about some matters of emphasis or detail in the guidelines. It is also recognised that, without the benefit of attendance at a standardisation meeting, there may be different interpretations of the application of the marking guidelines.

IEB Copyright © 2014

भाग क

प्रश्न एक

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसपर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्यों में हिन्दी में दीजिए

तोड़ो नहीं,जोड़ो

अंगुलिमाल नाम का एक डाकू था । वह लोगों को मारकर उनकी उँगलियॉं काट लेता था । उनकी माला बनाकर पहनता था । इसी से उसका नाम अंगुलिमाल पड़ गया था । आदमियों को लूट लेना , उनकी जान ले लेना , उसके बाएँ हाथ का खेल था । लोग उससे बहुत डरते थे । उसका नाम सुनते ही लोगों के प्राण सूख जाते थे ।

एक बार भगवान बुद्ध उपदेश देते हुए उधर आ निकले । लोगों ने उन्हें अंगुलिमाल के बारे में बताया । उनसे प्रार्थना की कि वे वहॉं से चले जाएँ । भगवान बुद्ध ने लोंगों की बात सुनी,पर उन्होंने अपना इरादा नहीं बदला,वे दरे नहीं । उस क्षेत्र में घूमते रहे ।

अेगुलिमाल को इसका पता चला । वह झॅंझलाकर भगवान बुद्ध के पास आया । वह उन्हें मार दालना चाहता था । भगवान बुद्ध ने मुस्कुराकर प्यार से उसका स्वागत किया,यह अंगुलिमाल के लिए एक नया अनुभव था । भगवान बुद्ध का स्नेह देखकर वह नम्र हो गया । भगवान बुद्ध ने उससे कहा "क्यों भाई,सामने के पेड़े से चार पत्ते तोड़ । अंगुलिमाल के लिए वह क्या मुश्किल था ! वह दौड़कर गया और जरा-सी देर हो में पत्ते तोड़कर ले आया । बुद्ध ने कहा ,"अब एक काम और करो । जहॉं से इन पत्तों को तोडत्त्कर लाए हो,वहीं इन्हें लगा आओ ।" अंगुलिमाल बोला,यह कैसा हो सकता है?"बुद्ध ने कहा " भैया,जब तुम जानते हो कि टूटा जुड़ता नहीं ,तब फिर तोड़ने का काम क्योम करते हो?"

इतना सुनते ही अंगुलिमाल को बोध हो गया । वह उस दिन से बुद्ध की शरण में आ गया ।

१.१ डाकू का नाम अंगुलिमाल क्यों पड़ा ?

वह लोगों को मारकर उनकी उँगलियॉं काट लेता था । उनकी माला बनाकर पहनता था । इसी से उसका नाम अंगुलिमाल पड़ गया था (२)

१.२ *"बाएँ हाथ का खेल था ।"* इस कहावत को अपने शब्दों में हिन्दी में समझाइए ।

अति सुगम । दस मील साइकिल पर जाना तो मेरे लिए बाएँ हाथ का खेल है । (४)

१.३ निम्नलिखित वाक्य को अपने शब्दो में समझाइए । "*टूटा जुड़ता नहीं* "।

जो एक बार टूट गया तो वह फिर से जोड़ना असमभव है । (२)

१.४ आप के विचारों के अनुसार क्या *"प्यार से " जीत हो सकते हैं ।*

जी हॉ । प्यार सभी का दिल जीत सकता है । घृणा से लड़ाई बड़ते है । पर प्यार में लोगो को विश्वास मिलते है । (४)

१.५ विलोल शब्द लिखिए ।

१.५.१ डर **निडर**

१.५.२ नया **पुराना** (४)

१.६ समानार्थी शब्द लिखिए ः

१.६.१ कार्य **काम**

१.६.२ भगवान **ईश्वर** (४)

[२0]

प्रश्न दो

२. दिए गए प्रश्नों का उत्तर लिखो ।

२.१ कोष्ठक में से उचित उत्तर चुनकर लिखिए

२.१.१ तुकाराम भगवान **____*(का , की , के)*** भक्ति में मग्ने थे । (२)

२.१.२ उसने बूँदों को गोद **____ (से , पर , में)** ले लिया । (२)

२.१.३ छोटे बच्चे उन्हें पत्र लिखा**____(करते थे**,करता था,करती थी है **)** । (२)

२.२ नीचे लिखे वाक्यों को कम से लिखो ।

२.२.१ थी छोटी सी लड़की एक । **एक छोटी सी लड़की थी ।** (२)

२.२.२ अपने अपने जा घर सब चिड़िया रही थीं ।
सब चिड़िया अपने अपने घर जा रहीं थीं । (२)

२.३ ईन शब्दों की स्त्रिलिंग शब्द लिखिए

२.३.१ बेटा **बेटी** (२)

२.३.२ हाथी **हथनि** (२)

२.४ ईन शब्दों को बहुवचन में लिखिए

२.४.१ नदी **नदियाँ** (२)

२.४.२ बहन **बहनें** (२)

२.५ वाक्य का सही काल लिखिए। कोष्ठक में से उत्तर चुनिए।
(भूतकाल वर्तमान काल भविष्यत काल)

२.५.१ मैं इन पक्षियों को बन्दूक से मार डालूँगा। **भविष्यत काल** (२)

२.५.२ एक नदी के किनारे जामुन का एक पेड़ था। **भूतकाल** (२)

२.५.३ हम हिन्दी सीखते है। **वर्तमान काल** (२)

२.६ शब्द समूहों के लिए एक शब्द लिखिए।

२.६.१ वर्ष में एक बार होनेवाला। **वर्षिक** (२)

२.६.२ जो काम से जी चुरता हो। **कामचोर** (२)

२.७ **चित्र वर्णन ः निम्न चित्र को देखकर प्रश्नों का उत्तर दीजिए ।**

चित्र वर्णन

२.७.१ इस चित्र में तुम क्या देखते हो ? किन्ही दो के नाम लिखो ।
सॉपेरा और (२)

२.७.२ यह आदमी कौन है ? **सॉपेरा** (२)

२.७.३ बच्चे वहॉ पर क्यों खड़े है ? **नाग को नाचना देखना चाहते थे ।** (२)

२.७.४ सॉप पर चार वाक्य लिखो ?
सॉप जंगल में रहते है । सॉप का ज़हर बहुत खतरनाक है ।
तरह तरह के सॉप होते हैं । कुछ सॉप पानी में रहते है । (४)

२.७.५ आदमी क्यों सॉप से नहीं डरते ?
वह सॉपेरा है । उसका पेशा है । उसके हाथ में बीन है । बीन के
आवाज को सुन कर नाग नाच में मग्न हो जाते है । (२)
[४०]

[६०]

भाग ख

साहित्य

प्रश्न ३ ः कविता

३.१ ध्वनि

इस कविता में कवि क्यों बार बार कहते हैं कि *अभी न होगा मेरा अन्त"* ।

कवि कहता है कि उसका अन्त कभी नहीं आएगा । इस समय उसके वन में वसन्त अपनो को ममता लेकर आया है । वसन्त के आने से सब पत्ते हरे हैं और डालियॉं और कलियॉं भी बहुत कोमल हैं । जब रात को कलियॉं भी बहुत कोमल हैं । जब रात को कालियॉं सो जाऐंगी तब मैं उनको स्वप्न को दुनियॉं में ले जाऊँगा जबतक वे सबेरे जागेंगे । (५)

३.२ दीपक में पतंग जलता क्यों

निम्नलिखित पंक्तियों को अपने शब्दों में संक्षेप व्याख्या कीजिए ः ।

"दीपक में पतंग जलता क्यों?
प्रिय की आभा में जीता फिर ।।"

कवि पूछता है पतंग दीपक के चारो ओर फड़फडत्तकर क्यों जलता है । पतंग दीपक को अपना प्रिय समझता है और उसकी चमक में जीता है । (५)

३.३ कवि "शक्ति और सौन्दर्य

कवि *"शक्ति और सौन्दर्य"* में क्या संदेश देना चाहते हैं ।

इस कविता में शकित और सुन्दरता की तुलना की है और इसमें उन्होंने शक्ति को अधिक महत्त्च दिया है । जिस प्रकार सूरज आकाश में चमकता और रोशनी और ताप देता है । (६)

IEB Copyright © 2014

३.४ केवट प्रसंग अथवा सुबोध सॉखियॉं - कबीरदास (answer either ३.४.१. or ३.४.२.)

३.४.१ **केवट प्रसंग** ः इन चौपाइयों को अपने शब्दों में हिन्दी में समझाइए ।

पद कमल धोइ, चढ़ाइ, नाव नाथ , उतराई चहौ ।
मोहि राम रउरि , आन दसरथ , सपथ सब सॉची कहौ ॥
वरु तीर मारहि लखनु पै जब लगि न पाय पखारिहौं ।
तव लगि न तुलसीदास नाथ कृपाल पार उतारिहौ ॥

हे नाथ मैं चरणकमल धोकर आप लोगों को नावपर चढ़ा लूँगा ; मैं आपसे कुछ उतराई नहीं चाहता । हे राम मुझे आपकी दुहाई और दशरथजी की सौगंध है । मैं सब सच सच कहता हॅं । लक्ष्मण भले ही मुझे तीर मारें पर जब तक मैं पैरोंकी पखार न लूँगा , तबतक हे तुलसीदास नाथ हे कृपालु । मैं पार नहीं उतारूँगा ।

(१0)

अथवा

३.४.२ **सुबोध सॉखियॉ -कबीरदास** ः इन दोहों को अपने शब्दों में हिन्दी में समझाइए ।

३.४.२.१ *सांच बराबर तप नहीं , झूठ बराबर पाप*
जिस हिरदय में साच है, ता हिरदै हरि आप ॥

सत्य की तुलना में दूसरा कोई तप नहीं और झूठ के बराबर दूसरा पाप नहीं । जिसके हृदय में सत्य में सांच हैं ता हिरदै हरि आप ॥

(५)

३.४.२.२ *"कवीर" कहता जात हूॅं , सुणता है सव कोइ*
राम करे भल होइगा , नहितर भला न होइ ॥

मैं हमेशा कहता हूँ रट लगाये रहता हूँ सब लोग सुनते भी हैं । यही कि राम का स्मरण करे से ही भला होगा । न्हीं तो कभी भला होनेवाला नहीं । पर राम का स्मरण एसा कि वह रोम रोम में रम जाय ।

(५)
(१0)

[२६]

IEB Copyright © 2014

प्रश्न ४ ः कहानी

पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए ः

४ .१ **चोरी** ः बिन्दू ने चोरी क्यों की ?
वह बहुत गरीब थे । और उसको भूख लगी थी ।
"बाबूजी ......थोड़ी,सी मेवा नीचे पड़ी थी । मैं उठा लाया"बिन्दू कह (४)

४ .२ **काकी** ःश्यामू ने क्यों उपद्रव मचाया ?
लोग जब उमा को श्मशान ले जाने के लिए उठाने लगे .तब श्यामू ने बड़ा उपद्रव मचाया । लोगों के हाथों से छूटकर वह उमा के ऊपर जा गिरा । बोला-काकी तो सो रही हैं । उन्हें इस तरह उठाकर कहाँ लिए जा रहे हो ? मैं न ले जाने दूँगा । (४)

४ .३ **दुख का अधिकार** ः इस कहानी में केम्द्रिय विचार क्या है?
प्रस्तुत कहानी में विपन्न माता के पुत्रशोक की तुलना सम्पन्न माता के पुत्रशोक से की गई है ।और इस तरह वह दिखलाया गया है किँ " दुख का अधिकार दोंनों को दुखी होनेपर समान रूप से प्राप्त नहीं है । इसके मूल में अर्थिक विषमता की ओर संकेत किया (६)

[१४]

[४0]

Total: 100 marks